ISSN 0973-2616

सी एस आई आर समाचार

प्रगति, विश्वास और आशा

वर्ष 29 अंक 12 दिसम्बर 2012

OPEN SOURCE DRUG DISCOVERY FOUNDATION

"When it comes to health, we need to have a balanced view between health as a right and health as a business"

Prof. Samir K. Brahmachari
Chief Mentor OSDD,
Director General, CSIR

इस अंक में

202
सीएसआईआर-नीरी ने 'सीएसआईआर@70: सेलिब्रेशन ऑफ साइंस' कार्यक्रम में भाग लिया.....

203
प्रो. पी. खन्ना स्मृति व्याख्यान.....

206
सीएसआईआर-सीएसआईओ, चंडीगढ़ में सीएसआईआर स्थापना दिवस समारोह.....

214
श्री एस. जयपाल रेड्डी, नए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री तथा उपाध्यक्ष सीएसआईआर ने कार्यभार संभाला.....

216
श्री श्याम चेट्टी ने सुपर अचीवर विजिनरी अवार्ड प्राप्त किया.....

website: http://www.csir.res.in

सीएसआईआर-नीरी ने 'सीएसआईआर@70: सेलिब्रेशन ऑफ साइंस' कार्यक्रम में भाग लिया

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने अपनी स्थापना के 70वें वर्ष को बड़े स्तर पर मनाया। इस अवसर को चिन्हित करने के लिए 26-29 सितम्बर 2012 के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम 26 सितम्बर 2012 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें भारत के माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने संबोधित किया। माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री और उपाध्यक्ष, सीएसआईआर श्री व्यालार रवि; प्रो. समीर के. ब्रह्मचारी, महानिदेशक, सीएसआईआर; और प्रो. सीएनआर राव इस अवसर पर उपस्थित थे। **सीएसआईआर प्रदर्शनी-अभिप्राय के साथ विज्ञान को समर्पित** का आयोजन भी विज्ञान भवन में किया गया जिसे आम जनता के लिए खुला रखा गया। सीएसआईआर-नीरी को **पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण** के क्षेत्र में सीएसआईआर की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का उत्तरदायित्व दिया गया था। ठोस एवं जोखिमकारी अपशिष्ट प्रबंधन, अपशिष्ट जल उपचार, जल उपचार और प्रबंधन, अवक्रमित भूमि का पुनरूद्धार, अपशिष्ट से धनार्जन के लिए सीएसआईआर-नीरी द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों को भी इस सीएसआईआर प्रदर्शनी के ''पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण'' विभाग में प्रदर्शित किया गया था। बाद में इस प्रदर्शनी को सीएसआईआर-आईजीआईबी, साउथ कैम्पस, नई दिल्ली में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां 27-29 सितम्बर 2012 के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 27 सितम्बर 2012 को **भारत में प्रौद्योगिकीय और ग्रामीण रूपांतरण** विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें श्री सेम पित्रोडा, प्रधानमंत्री के सलाहकार ने प्रतिभागियों को सम्बोधित किया और सीएसआईआर प्रदर्शनी का जायजा लिया। श्रोतागणों को सम्बोधित करते हुए श्री पित्रोडा ने प्रमुखता से भारत में विद्यमान विभिन्न अपशिष्ट प्रबंधन मुद्दों के बारे में बताया और सीएसआईआर को निर्देश दिये कि देश के ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने के लिए वह आगे आये। **नॉलेजबेस और प्रौद्योगिकी: क्रिएटिव वेल्यू पर सिम्पोजियम** का आयोजन 28 सितम्बर 2012 को किया गया। 29 सितम्बर 2012 को **वर्कशाप ऑन नर्चरिंग फ्यूचर लीडर्स इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी** का आयोजन किया गया।

विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित सीएसआईआर@70 प्रदर्शनी में माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री और उपाध्यक्ष, सीएसआईआर श्री व्यालार रवि एवं प्रो. समीर के. ब्रह्मचारी, महानिदेशक, सीएसआईआर

सीएसआईआर-नीस्ट में टी इम्प्रूवमैंट कन्सोर्टियम रिव्यू मीटिंग

टी इम्प्रूवमैंट कन्सोर्टियम की स्थिति की समीक्षा के लिए कार्यकारी समिति की बैठक 10 मई 2012 को सीएसआईआर-नीस्ट, जोरहाट में डॉ. पी.जी. राव, निदेशक, सीएसआईआर-नीस्ट, जोरहाट की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में उपस्थित व्यक्तियों में डॉ. बी.जी. उन्नी, प्रमुख वैज्ञानिक तथा क्षेत्र समन्वयक (जैव प्रौद्योगिकी तथा जैविक विज्ञान) तथा सचिव (टीआईसी), डॉ. मुरलीधरन, निदेशक, टी रिसर्च एसोसियेशन, डॉ. बी.के. बोरथाकुर, ईसी मेम्बर, डॉ. टी बन्धोपाध्याय तथा डॉ. ए. बाबु, टी रिसर्च एसोसियेशन, टोकलाई, जोरहाट, डॉ. एम.के. मोदी, खजांची (टीआईसी), डॉ. पी. सेन, ईसी मेम्बर तथा डॉ. एस.सी. बरुआ (असम कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के नामित) तथा सीएसआईआर-नीस्ट के वैज्ञानिक सम्मिलित थे।

डॉ. पी.जी. राव ने कार्यकारी समिति के सभी सदस्यों का बैठक में प्रतिभागिता के लिए औपचारिक स्वागत किया तथा बैठक का एजेण्डा आरम्भ किया। डॉ. मुरलीधरन ने टीआईसी के प्रदर्शन की सराहना की तथा आश्वासन दिया कि वे टीआईसी की गतिविधियों को सशक्त बनाने के लिए अपना पूर्ण समर्थन देंगे। उन्होंने कीटों के बायोकंट्रोल मैकेनिज्म, मृदा संबंधी अध्ययन तथा जनशक्ति की कमी से उबरने के लिए चाय उद्योग में और अधिक मशीनीकरण पर अपने विचारों

को भी प्रस्तावित किया।

डॉ. बी.जी. उन्नी ने विस्तार से टीआईसी की उत्पत्ति तथा अभी तक की गतिविधियों के बारे में बताया। डॉ. मुरलीधरन ने टीआईसी के अपनी स्थापना से अब तक के प्रयासों की सराहना की तथा जोर दिया कि यही वह समय है जब इसकी गतिविधियों का नवीनीकरण किया जाना चाहिए।

समिति ने सुझाव दिया कि टीआईसी के पंजीकरण को शीघ्रातिशीघ्र नवीनीकृत किया जाना चाहिए तथा चाय वैज्ञानिकों, चाय बागानों के मालिकों तथा छोटे चाय उत्पादकों के मध्य टीआईसी के विषय में जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है।

समिति द्वारा की गयी कुछ संस्तुतियां इस प्रकार हैं – 1. विभिन्न राज्य विश्वविद्यालयों, आईआईटी, गुवाहाटी, असम साइंस सोसायटी तथा अन्य विश्वविद्यालयों व आर एंड डी संस्थानों से सम्पर्क कर सदस्यता बढ़ाना 2. टीआईसी की एक विवरणिका का निर्माण चाय बिरादरी जिसमें चाय बागान मालिक, छोटे चाय उत्पादक वैज्ञानिक इत्यादि सम्मिलित हैं, के मध्य इसे लोकप्रिय बनाने के लिए प्रयास करना। 3. एक तकनीकी बुद्धिशीलता सत्र का आयोजन करना।

प्रो. पी. खन्ना स्मृति व्याख्यान

सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान ने 14 अगस्त 2012 को नीरी सभागृह में प्रो. पी. खन्ना स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान का आयोजन प्रो. पुरुषोत्तम खन्ना, पूर्व निदेशक (1987-1999), नीरी की स्मृति में किया गया, जिनका 14 अगस्त 2004 को देहांत हो गया था। इस अवसर को चिन्हित करने के लिए, प्रो. बी. बी. धर, निदेशक, अनुसंधान एवं प्रवर्तन समन्वय निदेशालय, अमिटी विश्वविद्यालय को आमंत्रित किया गया जिन्होंने प्रो. पी. खन्ना स्मृति व्याख्यान दिया।

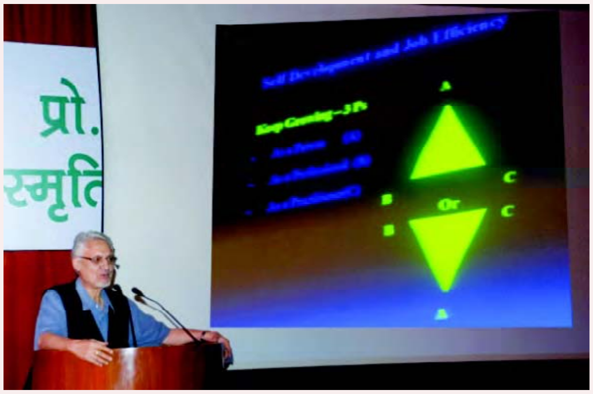

प्रो. बी.बी. धर, प्रो. पी. खन्ना स्मृति व्याख्यान देते हुए

डॉ. सतीश आर वटे, निदेशक, सीएसआईआर-नीरी स्वागत सम्बोधन देते हुए

व्यासायिक प्रशिक्षण तथा विकासः सफलता की कुंजी विषय पर व्याख्यान देते हुए प्रो. धर ने कहा कि किसी भी नौकरी में सफलता पाने के लिए अपने साथियों और अधिकारियों से प्रभावी संचार आवश्यक है। कोई भी सिर्फ किताबें पढ़ने से स्वयं का विकास नहीं कर सकता है, बल्कि उसे अनुभव और अभ्यास से भी बहुत कुछ सीखना होता है, उन्होंने आगे कहा। प्रो. धर ने कहा कि हर किसी को व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ संस्थागत विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। स्वतः के विकास के लिए प्रो. धर ने कई उपाय बताये। उन्होंने वकालत की कि हर एक अच्छे पेशेवर के लिए ज्ञान अर्जित करने हेतु लोगों से बेहतर रिश्ते बनाना और दूसरों की प्रशंसा करने संबंधी कला को सीखना, संस्थान के हित को ध्यान में रखने के साथ-साथ अपने साथियों का ध्यान रखते हुए उन्हें सुखकारक अनुभूति करवाना जैसे अहम मुददों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के आरंभ में अपने स्वागत संबोधन में डॉ. सतीश आर. वटे, निदेशक, सीएसआईआर-नीरी ने पर्यावरणीय विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में स्व. प्रो. पी. खन्ना के उल्लेखनीय योगदानों के बारे में बताया। पर्यावरणीय नीतियां बनाने में और सतत विकास हेतु लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी में विभिन्न प्रवर्तक परिकल्पनाओं के कार्यान्वयन में प्रो. खन्ना की भूमिका का डॉ. वटे ने विशेष रूप से उल्लेख किया।

सीएसआईआर-सीजीसीआरआई ने अपना 63वां स्थापना दिवस मनाया

सीएसआईआर-केन्द्रीय कांच तथा सिरैमिक अनुसंधान संस्थान (सीजीसीआरआई), कोलकाता ने 26 अगस्त 2012 को अपना 63वां स्थापना दिवस मनाया और इसी के साथ 4 सितम्बर 2010 को तत्कालीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री तथा उपाध्यक्ष, सीएसआईआर, श्री पृथ्वीराज चव्हाण द्वारा आरंभ हीरक जयंती समारोह का समापन भी सम्पन्न हुआ।

63वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम थे जो स्वयं एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक हैं। पुणे स्थित संचेती इंस्टीट्यूट फॉर आर्थोपेडिक्स एंड रीहेबिलिटेशन के संस्थापक और निदेशक पद्मविभूषण डॉ. के.एच संचेती सम्मानित अतिथि थे। प्रो. समीर के. ब्रह्मचारी, सचिव, डीएसआईआर एवं महानिदेशक, सीएसआईआर और डॉ. श्रीकुमार बनर्जी, अध्यक्ष, रिसर्च काउंसिल, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई और वर्तमान में होमी भाभा प्रोफेसर, डीएई, भारत सरकार विशिष्ट अतिथि थे।

मुख्य अतिथि ने दिन का आरंभ एक प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ किया जिसमें सीएसआईआर-सीजीसीआरआई द्वारा विकसित उत्पादों तथा प्रक्रियाओं को प्रदर्शित किया गया था। समापन समारोह का आरंभ प्रो. इन्द्रनील मन्ना, निदेशक, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई के स्वागत भाषण के साथ हुआ जिसमें उन्होंने डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम और अन्य विभूतियों, अतिथियों और सहकर्मियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रो. मन्ना ने सीएसआईआर-सीजीसीआरआई की भूत एवं वर्तमान उपलब्धियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने पूर्व निदेशकों की सराहना की जिनमें से चार, श्रोताओं में उपस्थित थे, जिनके विशिष्ट नेतृत्व ने संस्थान को वर्तमान स्तर तक पहुंचाने में सहायता की।

डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम अपना अभिभाषण देते हुए

डॉ. श्रीकुमार बनर्जी ने अपने संबोधन में कहा कि सीएसआईआर-सीजीसीआरआई, सीएसआईआर के विरोधी लगने वाले किंतु पुनर्नवीकरणीय संकल्पना की चुनौती को पूरा कर सकता है, जो देश के सामाजिक क्षेत्र के दायित्व के साथ अच्छी गुणवत्ता का विज्ञान है। उन्होंने कहा कि संस्थान वास्तविक जीवन में अनुप्रयोगों के लिए उत्पादों और प्रक्रियाओं के आपूर्ति पथ पर आ गया है। उन्होंने विशेष रूप से विशिष्ट कांच, ऑप्टिकल फाइबर, परावर्तक और जल शुद्धिकरण तकनीकों के क्षेत्र में सीएसआईआर-सीजीसीआरआई की उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने संस्थान की हाल ही की उपलब्धि सॉलिड ऑक्साइड फ्यूल सैल की भी सराहना की।

प्रो. समीर के. ब्रह्मचारी ने लोगों में सीएसआईआर को रिब्रांड करने के लिए उठाए गए चरणों की चर्चा की। पिछले कुछ वर्षों में सीएसआईआर के रूपांतरण को दोहराते हुए, रूपांतरण के पीछे के पांच कारणों को सूचीबद्ध किया: (1) अपनी संघटक इकाइयों के नाम के पहले सीएसआईआर के नाम को जोड़ना, (2) उच्च गुणवत्ता की मानव शक्ति को सीएसआईआर तंत्र की ओर आकर्षित करना, (3) कंपनियों को चलाने के लिए सीएसआईआर-टेक समर्थ वैज्ञानिक तैयार करना, (4) भविष्य में सीएसआईआर छात्रों की आशा करते हुए AcSIR का सृजन करने के लिए सीएसआईआर-800। सीएसआईआर-सीजीसीआरआई आने के लिए भारत रत्न डॉ. कलाम को धन्यवाद देते हुए प्रो. ब्रह्मचारी ने देश के पूर्व राष्ट्रपति के प्रति गहरा आभार प्रकट किया।

प्रो. इन्द्रनील मन्ना, डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम को प्रदर्शनी में स्टॉल्स को दिखाते हुए

डॉ. के एच संचेती ने उन्हें दिए गए सम्मान के लिए आयोजकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि अस्थि संबंधी बीमारियों को दूर करने के लिए, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई ने

डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम को विशिष्ट कांच का बना स्मृति चिह्न भेंट किया गया

डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम स्मरणीय खंड का विमोचन करते हुए

सिरैमिक के कूल्हे के जोड़ प्रत्यारोप विकसित किए हैं जो समाज के प्रति एक विशिष्ट योगदान है। उन्होंने पॉलीथीन और धात्विक अधःस्तरों के लिए आलेपों पर किए गए काम की भी सराहना की। उन्होंने सीएसआईआर-सीजीसीआरआई में विकसित विभिन्न प्रकार के जैव-सिरैमिक प्रत्यारोपों के विकास के पीछे प्रमुख आर्किटेक्ट डॉ. देवव्रत बासु को श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम ने सिरैमिक उद्योग के विकास में सीएसआईआर-सीजीसीआरआई के खुर्जा और नरौडा आउटरीच द्वारा निभाई गई भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने देश की उपलब्धियों पर लगे पांचवें राष्ट्रीय सिंड्रोम से छुटकारा पाने के लिए भारत की सहायता करने के लिए वैज्ञानिकों का आह्वान किया। उन्होंने अध्यापन और अनुसंधान को पुनर्जनन चक्र में रखा जहां एक, दूसरे को सक्षम बनाए। अच्छा अनुसंधान, अध्यापन की गुणवत्ता को बढ़ाता है और बाद में दूसरा, पहले को समृद्ध बनाता है, उन्होंने कहा। सूचना और जैवप्रौद्योगिकी में सफलताओं का उदाहरण देते हुए डॉ. कलाम ने एस एंड टी में मिलने वाली अनेक प्रौद्योगिकियों के अभिसरण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह समय नैनोटेक्नोलॉजी के ट्रेन्ड सैट करने का है। उन्होंने आगे कहा कि पारिस्थितकी इक्कीसवीं शताब्दी का एक नया पक्ष है और तकनीकी रूप से बेहतर और सतत तंत्रों की मांग बढ़ रही है। डॉ. कलाम ने कहा कि नए युग के मॉडल होंगे। इन्फो, बायो, नैनो और इको आधारित प्रौद्योगिकियां।

इस अवस्मरणीय अवसर पर डॉ. कलाम ने संस्थान की हीरक जयंती समारोह को ध्यान में रखते हुए सीएसआईआर-सीजीसीआरआई के प्रकाशित स्मारकीय खंड का विमोचन किया। डॉ. कलाम ने उनके द्वारा लिखी गई या सहलेखकीय पुस्तकों का खंड सीएसआईआर-सीजीसीआरआई के निदेशक को भेंट किया।

सीएसआईआर-सीआरआरआई तथा ईआरडी फाउंडेशन के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

सीएसआईआर-केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीआरआरआई), नई दिल्ली ने शिक्षा, अनुसंधान तथा विकास फाउंडेशन (ईआरडीएफ), गुवाहाटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। डॉ. एस. गंगोपाध्याय, निदेशक, सीएसआईआर-सीआरआरआई तथा श्री एम. हक, अध्यक्ष, ईआरडीएफ ने 3 मई 2012 को गुवाहाटी में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन के मुख्य उद्देश्य तथा नियम व शर्तें निम्नांकित हैं-

1. एक मुख्य उद्देश्य सीएसआईआर-सीआरआरआई तथा ईआरडीएफ तथा ईआरडीएफ द्वारा स्थापित संस्थानों यथा यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टैक्नोलॉजी, मेघालय (यूएसटीएम), रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टैक्नोलॉजी (आरआईएसटी), तथा रीजनल कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन के मध्य निकट सम्बन्ध तथा कार्यात्मक समन्वयन स्थापित करना है।
2. सीएसआईआर-सीआरआरआई तथा ईआरडीएफ, दोनों संस्थानों के कार्मिकों, संकाय सदस्यों, विद्वानों तथा विद्यार्थियों के ज्ञान की प्रोन्नति हेतु एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

3. ईआरडीएफ, सीएसआईआर-सीआरआरआई के कार्मिकों को यूएसटीएम में एमटैक तथा पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए सभी सुविधाएं प्रदान करेगी।
4. सीएसआईआर-सीआरआरआई यूएसटीएम के विद्यार्थियों तथा संकाय सदस्यों को परियोजनाओं तथा अनुसंधान कार्य हेतु आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेगी।
5. ईआरडीएफ संस्थान, सीएसआईआर-सीआरआरआई के इच्छुक वैज्ञानिकों को ईआरडीएफ संस्थानों के परिसर में स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के कुछ भागों के शिक्षण हेतु सुविधाएं प्रदान करेंगे। सीएसआईआर-सीआरआरआई के वैज्ञानिकों को आवश्यक टीए/डीए तथा मानदेय ईआरडीएफ द्वारा उनके नीति-निर्देशों के अनुसार प्रदान किया जाएगा।
6. परस्पर सहमति पर सरकार/उद्योग/शैक्षिक संस्थानों की रुचि के विशिष्ट तथा लघु अवधि के रिफ्रेशर पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन संयुक्त रूप से सीएसआईआर-सीआरआरआई में अथवा ईआरडीएफ द्वारा स्थापित संस्थानों में किया जा सकेगा।
7. सीएसआईआर-सीआरआरआई तथा ईआरडीएफ दोनों ईआरडीएफ संस्थानों के संकाय सदस्यों तथा सीएसआईआर-सीआरआरआई के वैज्ञानिकों को सरकारी एजेंसियों द्वारा निधित्व के लिए कुछ चयनित क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान प्रस्ताव खोजने तथा तैयार करने लिए प्रोत्साहित करेंगे तथा सुविधाएं प्रदान करेंगे।
8. तकनीकी गतिविधियों यथा सेमीनार, सिम्पोजिया, कार्यशालाओं, शोधपत्र प्रकाशन, सम्मेलनों इत्यादि के द्वारा विभिन्न स्तरों पर पूर्वोत्तर में किए जा रहे अनुसंधान कार्यों का प्रचार-प्रसार करना तथा ज्ञान का अद्यतन करना।

सीएसआईआर-सीएसआईओ, चंडीगढ़ में सीएसआईआर स्थापना दिवस समारोह

सी.एस.आई.आर. स्थापना दिवस के अवसर पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि

सीएसआईआर-केन्द्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन में दिनांक 25 सितम्बर 2012 को 70वां सीएसआईआर स्थापना दिवस मनाया गया। इसमें प्रो. ए. के. ग्रोवर, कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने संबोधन में चुंबकीय स्कैनिंग टनलिंग माइक्रोस्कोप इमेजिंग एवं स्पिन वाल्व्स में अनुप्रयोगार्थ चुंबकीय पदार्थों की नवीन श्रेणी के डिज़ाइन पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस प्रौद्योगिकी के

संगठन कर्मियों को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए संगठन निदेशक

संगठन की विभिन्न प्रयोगशालाओं को देखते हुए तथा वैज्ञानिकों से विचारविमर्श करते हुए विद्यार्थी

भंडारण एवं इमेजिंग के क्षेत्र में महत्व एवं सार्थकता की जानकारी दी। प्रो. ग्रोवर ने अपने संबोधन में चुंबकीय संवेदियों, हार्ड डिस्क रीड हैड्स और चुंबकीय रैम में स्पिन वाल्व्स की भूमिका भी बताई। समारोह में उपस्थित अतिथि एवं स्टाफ सदस्य इस प्रौद्योगिकी की जानकारी से अत्यंत लाभान्वित हुए।

इससे पूर्व डॉ. पवन कपूर, निदेशक सीएसआईओ ने मुख्य अतिथि तथा अन्य आमंत्रितों का स्वागत करते हुए सीएसआईआर के उद्देश्यों और विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उसके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवा वैज्ञानिकों और स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न प्रोत्साहन और योजनाओं की भी चर्चा की। निदेशक ने इसके बाद संगठन में जारी परियोजनाओं और भविष्य की योजनाओं का संक्षिप्त ब्यौरा दिया।

सीएसआईआर स्थापना दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत सीएसआईआर में 25 वर्ष की निरन्तर सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों और पिछले एक वर्ष के दौरान सेवानिवृत्त हुए संगठन कर्मियों को स्मृति चिह्न और शॉल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सीएसआईओ कर्मियों के उन बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया, जिन्होंने विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभागिता की। यह कार्यक्रम सीएसआईआर स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार वितरण से समाप्त हुआ।

सीएसआईआर स्थापना दिवस के तहत संगठन की सभी प्रयोगशालाएं 25 सितंबर 2012 को सामान्य जनता व विद्यार्थियों के लिए खुली रखी गई थीं, जिससे विभिन्न स्कूलों, इंजीनियरिंग कॉलेजों, विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों और आम जनता सहित लगभग 800 आगंतुकों ने संगठन की प्रयोगशालाओं को देखा। इससे उन्हें संगठन में विकसित किए जा रहे उपकरणों को देखने और वैज्ञानिकों के साथ विचारविमर्श करने का अवसर प्राप्त हुआ।

कृपया ध्यान दें

सीएसआईआर की सभी प्रयोगशालाओं के नोडल अधिकारियों/जनसम्पर्क अधिकारियों/हिन्दी अधिकारियों/अनुवादकों से अनुरोध है कि वे अपने संस्थान से सम्बन्धित गतिविधियों यथा वैज्ञानिक अनुसंधान उपलब्धियों/पुरस्कार/सम्मानों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों आदि से सम्बन्धित समाचार/सूचना सीएसआईआर समाचार में प्रकाशन के लिए हार्ड अथवा सॉफ्ट कॉपी में हिन्दी भाषा में ही संपादक, सीएसआईआर समाचार को भेजने की कृपा करें।

संपादक
सीएसआईआर समाचार
ईमेलः deeksha@niscair.res.in

सीएसआईआर-एनएएल, बेंगलूर में सीएसआईआर स्थापना दिवस का आयोजन

सीएसआईआर-एनएएल 70वां सीएसआईआर स्थापना दिवस में 5 अक्टूबर 2012 को एस आर वल्लूरी ऑडिटोरियम में मनाया गया। श्री एम के श्रीधर, सलाहकार (प्र-प्रशा) ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. आर आर सोंडे, कार्यकारी उपाध्यक्ष, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी एवं नवीकरण केन्द्र, थरमैक्स लि., पुणे ने **विज्ञान-अभियांत्रिकी-प्रौद्योगिकी विपणन की अरैखिक दिशाः नवीकरण ऊर्जा के अध्ययन से प्रौद्योगिकी विकास में प्रगति** पर अत्यंत रोचक व्याख्यान दिया। इसके उपरांत श्री सी एम आनंदा, उपप्रधान, वांतरिक्ष इलेक्ट्रॉनिकी एवं प्रणाली प्रभाग ने **नागर विमान वैमानिकी एवं प्रणालीः सीएसआईआर-एनएएल की उपलब्धियां, उत्पाद और प्रौद्योगिकियों के दशक** पर 15वां एनएएल व्यावसायिक व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने सीएसआईआर के 70 वर्ष की सफल यात्रा के रूप में एक संक्षिप्त ब्रोशर **एनएएल की अ-वि गतिविधियां एवं उपलब्धियां** का विमोचन किया। श्री श्याम चेट्टी, कार्यकारी निदेशक ने समारोह की अध्यक्षता की।

शैक्षणिक और खेल निष्पादन में उत्कृष्टता पाने वाले एनएएल कर्मचारियों के बच्चों को सीएसआईआर स्थापना दिवस पुरस्कार प्रदान किए गए। डॉ. जे एस माथुर, प्रमुख केटीएमडी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

एनएएल में पावर्ड हैंग ग्लाइडर (पीएचजी) गतिविधियों के दो दशकों के संपन्न होने के उपलक्ष्य में 27 अक्टूबर 2012 को जक्कूर एयरफील्ड में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के दौरान डॉ. पै ने एनएएल के पावर्ड हैंग ग्लाइडर की गतिविधियों पर व्याख्यान दिया। इस समारोह में श्री श्याम चेट्टी, कार्यकारी निदेशक, सीएसआईआर-एनएएल, डॉ. शेषु, निदेशक, सीएसआईआर-सीमैक्स, श्रीमती श्याम चेट्टी, श्रीमती शेषु और डॉ. दयानंदा, प्रमुख, सीएसएमएसटी उपस्थित थे।

सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

केंद्रीय सतर्कता आयोग, भारत सरकार एवं वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार सीएसआईआर-केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) में दिनांक 29 अक्टूबर से 3 नवंबर 2012 तक **सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2012** का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की याद में उनके जन्म दिवस पर प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।

समारोह के अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ चंद्रशेखर ने सभी सहकर्मियों को अपने क्रियाकलापों में ईमानदारी व पारदर्शिता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहने, भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए सदा प्रयासरत रहने, संस्थान के विकास एवं प्रतिष्ठा के प्रति सजग एवं सचेत रहने, अपने कर्तव्य के पालन तथा पक्षपात के बिना कार्य करने की शपथ दिलाई।

अपने संक्षिप्त उद्बोधन में उन्होंने कहा कि ईश्वर की सेवा के बाद जनसेवा ही सबसे अच्छा कार्य है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है कि हम लोक सेवक हैं तथा समाज के लिए और समाज की उन्नति के लिए कार्य करते हैं। हमारे इन्हीं क्रियाकलापों से समाज सुंदर, सुखी व मज़बूत बनता है। उन्होंने कहा कि हमें संस्थान सहकर्मी होने के नाते किसी भी स्थिति में यहॉं का वातावरण सरस और अपने आपसी संबंध मधुर बनाए रखने चाहिए। सतर्कता का अर्थ समझाते हुए उन्होंने सभी सहकर्मियों से अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होने भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण के लिए सहकर्मियों से ईमानदारी व सत्यनिष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

उदघाटन सत्र का संचालन करते हुए श्री महेन्द्र सिंह, अनुभाग अधिकारी ने भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी तथा मुख्य सतर्कता आयुक्त श्री प्रदीप कुमार का संदेश पढ़ कर सुनाया। स्वतंत्रता के उपरान्त भारत की एकता व अखंडता के लिए लौहपुरुष सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए आयोजन की प्रासंगिकता बताई तथा सप्ताहपर्यन्त आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

सप्ताह के दौरान संस्थान में विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा

निबंध लेखन, व्याख्यान/भाषण का आयोजन किया गया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री तारिक बदर, भंडार एवं क्रय नियंत्रक, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली ने इस अवसर पर 'सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता' विषय पर अपना ज्ञानवर्द्धक, रोचक एवं सारगर्भित व्याख्यान दिया। अपने पावर पॉइन्ट प्रस्तुतीकरण में उन्होंने रोचक और सामयिक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 'सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता' के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों पर प्रकाश डाला। अपने व्याख्यान में उन्होंने भ्रष्टाचार की रोकथाम में पारदर्शिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसमें जनसहभागिता की भूमिका की चर्चा की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने सप्ताह पर्यन्त आयोजित की गई प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के कार्यकारी निदेशक श्री राहुल वर्मा ने कहा कि सतर्कता सप्ताह आयोजन का उद्देश्य सहकर्मियों को सतर्कता व भ्रष्टाचार के विषय में जागरूक एवं संवेदनशील बनाना है।

अंत में उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए सभी सहकर्मियों को संस्थान के आयोजनों में बढ़-चढ़ कर सम्मिलित होने का आह्वान किया।

इससे पूर्व संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी श्री रोहित गुप्ता ने सभागार में उपस्थित सभी सहकर्मियों को मुख्य अतिथि का संक्षिप्त परिचय दिया।

अंत में आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. के. रांगरा, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि, संस्थान के निदेशक, आयोजन समिति तथा सप्ताहपर्यन्त आयोजित इस कार्यक्रम में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सप्ताह का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

सीएसआईआर-संरचनात्मक अभियांत्रिकी अनुसंधान केन्द्र एवं सीएसआईआर कॉम्प्लेक्स में हिन्दी समारोह

सीएसआईआर मद्रास कॉम्प्लेक्स और सीएसआईआर-एसईआरसी द्वारा संयुक्त रूप से विभिन्न हिन्दी कार्यक्रमों और हिन्दी प्रतियोगिताओं को आयोजित करते हुए 31 अगस्त 2012 से 14 सितम्बर 2012 तक कैंपस में हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। हिन्दी पखवाड़ा के दौरान कर्मचारियों के लिए हिन्दी टंकण, हिन्दी लेखन, हिन्दी प्रश्नोत्तरी, हिन्दी अन्ताक्षरी, हिन्दी में वार्तालाप आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसके अलावा प्रशासनिक और तकनीकी कर्मचारियों के लिए एक हिन्दी कार्यशाला भी आयोजित की गई।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह का प्रारंभ 31 अगस्त 2012 को आयोजित हिन्दी टंकण प्रतियोगिता के साथ हुआ। इस प्रतियोगिता में दस कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर आयोजित हिन्दी में वार्तालाप प्रतियोगिता में कर्मचारियों के अलावा परियोजना सहायकों, शोध-छात्रों और अन्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया।

इसके अतिरिक्त हिन्दी लेखन प्रतियोगिता, हिन्दी अन्ताक्षरी प्रतियोगिता तथा विज्ञान ऑडिटोरियम में हिन्दी में एक आमंत्रित भाषण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम केन्द्रीय भूजल बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशक श्री डी. एस. सी. तम्बी ने **भूजल और उसके संरक्षण पर मूल विचार** विषय पर आमंत्रित भाषण दिया। इस कार्यक्रम में हिन्दी पखवाड़ा समारोह समिति के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध सलाहकार डॉ एस. अरूणाचलम ने श्री तम्बी का परिचय दिया और नीरी इकाई की प्रभारी वैज्ञानिक डॉ एस. संध्या ने धन्यवाद दिया। श्री तम्बी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनको डॉ एस. अरूणाचलम ने निदेशक महोदय की तरफ से एक स्मृति चिह्न प्रदान किया।

इस अवसर पर **परिवर्तन प्रवीणः टीम निर्माण** विषय पर आयोजित हिन्दी कार्यशाला में एसईआरसी और सीएसआईआर मद्रास कॉम्प्लेक्स के प्रशासनिक और तकनीकी कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में श्री शिखर शर्मा, अनुभाग अधिकारी, सीएसआईआर-एसईआरसी ने सीएसआईआर की प्रयोगशालाओं में ईआरपी अनुप्रयोग, प्रशासन के क्षेत्र में टीम-वर्क की आवश्यकता और टीम में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका पर भाषण दिया।

हिन्दी पक्ष का समापन कार्यक्रम 14 सितंबर 2012 को आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा के उच्च शिक्षा और शोध संस्थान की प्रोफसर डॉ. निर्मला मौर्य को आमंत्रित किया गया। समापन कार्यक्रम का शुभारंभ सुश्री राजलक्ष्मी की ईश्वर वन्दना से हुआ। डॉ. निर्मला मौर्य जी ने अपने भाषण में उल्लेख किया कि अधिक से अधिक भाषाएँ सीखने से संप्रेषणीयता में व्यक्ति को प्रसन्नता होती है। हिन्दी पखवाड़ा समारोह समिति के अध्यक्ष डॉ एस. अरूणाचलम ने स्वागत भाषण दिया। सीएसआईआर-एसईआरसी के निदेशक

एवं सीएसआईआर मद्रास कॉम्प्लेक्स के समन्वयक निदेशक डॉ. नागेश आर अय्यर ने समापन कार्यक्रम में अध्यक्षता की।

सीएसआईआर मद्रास कॉम्प्लेक्स की प्रशासन नियंत्रक श्रीमती चित्रलेखा कृष्णन ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया तथा हिन्दी अधिकारी श्रीमती वाणी सत्यनारायणा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

निदेशक महोदय डॉ. नागेश आर अय्यर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए इस कैंपस के दोनों संस्थानों द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने सीएसआईआर-एसईआरसी और सीएसआईआर मद्रास कॉम्प्लेक्स की राजभाषा पत्रिका **स्पन्दन** के तीसरे अंक का विमोचन किया। मुख्य अतिथि डॉ निर्मला मौर्य द्वारा दिए गए आशीर्वचन के लिए अपना आभार व्यक्त करते हुए निदेशक महोदय ने उनको एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

हिन्दी अधिकारी श्री टी. वी. राजेन्द्रन ने राजभाषा कार्यान्वयन से संबन्धित रिपोर्ट प्रस्तुत की। अपनी रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए इस कैंपस के सीएसआईआर-एसईआरसी और सी.एम.सी में निरंतर और सक्रिय प्रयास किये जा रहे हैं।

हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को इस समापन समारोह में निदेशक महोदय ने नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किये।

एक वर्ष की अवधि में अपने कार्यालयीन कार्यों में कम से कम 5000 हिन्दी शब्दों का प्रयोग करने वालों को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की गई थी और इस पुरस्कार योजना के अधीन सीएसआईआर-एसईआरसी से दो और सीएमसी से एक कर्मचारी को नकद पुरस्कार दिया गया।

पिछले एक वर्ष के दौरान आयोजित हिन्दी कार्यशालाओं में प्रस्तुतीकरण देने के लिए श्री जी. एस. अय्यप्पन, वैज्ञानिक, सी.एस.आई.ओ. इकाई; श्री सी. जयबाल, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-एसईआरसी; डॉ एस. संध्या, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, नीरी इकाई; श्री एस. ज्ञानप्रकाशम, भंडार एवं क्रय नियंत्रक, सीएसआईआर-एसईआरसी (एनजीआरआई. में इनका स्थानान्तरण हुआ है) और श्री शिखर शर्मा, अनुभाग अधिकारी, सीएसआईआर-एसईआरसी को इस कार्यक्रम में स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

हिन्दी वार्तालाप प्रतियोगिता की निर्णायक श्रीमती नीरजा श्रीधरन, हिन्दी अधिकारी, सीएलआरआई को इस अवसर पर निदेशक महोदय ने एक स्मृति चिह्न प्रदान किया। श्री मेनुअल तोमस, प्रशासन नियंत्रक, सीएसआईआर-एसईआरसी के धन्यवाद प्रस्ताव और उसके बाद राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

सीएसआईआर-सीएसआईओ, चण्डीगढ़ में हिंदी सप्ताह का आयोजन

संगठन में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए 14- 21 सितंबर 2012 को हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। हिंदी सप्ताह का शुभारंभ डॉ. पवन कपूर, निदेशक, सीएसआईओ के **दूरस्थ शिक्षा प्रौद्योगिकी एवम् अनुप्रयोग** विषय पर वैज्ञानिक एवं तकनीकी व्याख्यान से हुआ। डॉ. कपूर ने अत्यंत सरल शब्दों में दूर-दराज़ के क्षेत्रों में आधुनिक प्रौद्योगिकी की सहायता से शिक्षा प्रदान करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

संगठन में आयोजित हिंदी सप्ताह के दौरान श्रुतलेख; कविता पाठ और वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषयों पर पेपर रीडिंग प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। इनमें लगभग 60 स्टाफ कर्मियों ने भाग लिया तथा 12 कर्मियों को पुरस्कृत किया गया। संगठन में गत कई वर्षों से स्टाफ के बच्चों द्वारा कक्षा 4 से 12 में हिंदी विषय में निर्धारित अंक प्राप्त करने पर ₹ 500 का नकद पुरस्कार प्रदान करने की योजना भी लागू की गई है। इस वर्ष इसमें 29 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। संगठन के दो कर्मियों को हिंदी में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए ₹ 1000.00 (प्रत्येक को) की राशि प्रदान कर निदेशक पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

हिंदी सप्ताह का समापन पीजीआई, चण्डीगढ़ की प्रमुख डायटिशियन डॉ. रत्ना बोस के **संतुलित आहार** विषय पर व्याख्यान से हुआ। डॉ. बोस ने इस अवसर पर 'संतुलित आहार' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. पवन कपूर, निदेशक, सीएसआईओ ने हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नगद पुरस्कार प्रदान किए। राजभाषा विभाग, भारत सरकार की विभिन्न हिंदी प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत भी विजेताओं को इस समारोह में पुरस्कृत किया गया।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) में हिंदी सप्ताह

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) मुख्यालय में दिनांक 07 सितम्बर 12 से 14 सितम्बर 12 की अवधि के दौरान हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया जिसका विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित उच्च कोटि के संपादक, प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकीविद, स्थापित स्तम्भकार व हिंदी के अनेक सॉफ्टवेयरों, वेबपोर्टलों व वर्ड प्रोसैसरों के विकासकर्ता डॉ. बालेन्दु शर्मा दाधीच द्वारा किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि प्रौद्यागिकी जैसे बोझिल विषय को बोझिल न माना जाए। यदि प्रौद्योगिकी बोझिल होती तो आज भारत के लगभग हर व्यक्ति के हाथ में मोबाइल न होता जिसका स्वरूप लगभग कम्प्यूटर जैसा है। समय की मांग यही है कि प्रौद्योगिकी से मुंह मोड़ने की बजाय उसका आनंद उठाएं। हमें इस बात पर विचार करने की आवश्यकता है कि प्रौद्योगिकी के साथ जुड़कर हिंदी टेक्नोलॉजी ओरिएन्टेड कैसे बन सकती है। उन्होंने **तकनीकी क्षेत्र में हिंदी की प्रगति यात्रा** विषय पर अपना सारगर्भित व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक की भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा का अत्यंत तकनीकी ढंग से रुचिपूर्ण प्रस्तुतीकरण किया। साथ ही उन्होंने सभागार में उपस्थित लोगों को यूनिकोड की उपयोगिता और इसके महत्व के बारे में भी जानकारी दी। उनके अत्यंत रोचक व ज्ञानवर्धक प्रस्तुतीकरण की दर्शकों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

वित्त सलाहकार, सीएसआईआर सुश्री अनु जे.सिंह ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि भारत की सभी भाषाएं अच्छी हैं, हमें निज भाषा के अतिरिक्त अन्य भाषा भी सीखनी चाहिए और अपने अनुभव आपस में बांटने चाहिए। उन्होंने तमिलनाडु में आयकर विभाग में अपनी तैनाती के दौरान घटे

मंच पर आसीन मुख्य अतिथि एवं संगठन निदेशक

स्टाफ को सम्बोधित करते हुए संगठन निदेशक

प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए संगठन निदेशक

इससे पूर्व डॉ. नीरू, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने संगठन की गत वर्ष की हिंदी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा श्री अनिल कुमार, प्रशासन नियंत्रक ने कार्यक्रम के अंत में औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

कुछ रोचक अनुभव और प्रसंग भी श्रोताओं के साथ सांझा किए।

इस कार्यक्रम के अध्यक्ष संयुक्त सचिव (प्रशा.) डॉ. के. जयकुमार ने मुख्य अतिथि डॉ. बालेन्दु शर्मा दाधीच को सीएसआईआर में आने और उनके सुंदर व्याख्यान व प्रस्तुतीकरण के लिए धन्यवाद किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जिस भाषा में भी आप बोलें, दिल से बोलें। भाषा चाहे जो भी हो, लोगों को आपस में जोड़ने वाली होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि उनका हिंदी का शब्द भंडार बहुत सीमित है फिर भी वे हिंदी में बोलने की चेष्टा करते हैं और हिंदी में कार्य करने का अनुकूल वातावरण बनाने में अपना योगदान देना चाहते हैं।

इस दौरान कविता-पाठ, शब्दावली/हिंदी व्यवहार (भाषांतरण), टिप्पण/प्रारूपण, वाद-विवाद, निबंध आदि विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। दिनांक 07 सितम्बर 12 को दूसरे सत्र में हिंदी सप्ताह की शुरूआत कविता-पाठ प्रतियोगिता से हुई। इस प्रतियोगिता में निर्णयाक-मंडल के रूप में तीन कवियों व व्यंग्यकारों नामशः सर्वश्री दीपक गुप्ता, कृष्णकांत 'मुधर' व महेन्द्र अजनबी को आमंत्रित किया गया। इन तीनों ही महानुभावों ने परिषद मुख्यालय के प्रतिभागी वैज्ञानिकों/अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा रचित कविताओं का रसास्वादन किया और तत्पश्चात कविता-पाठ प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की। विजेताओं की घोषणा के बाद जहां एक ओर लोगों के मानस पर अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले लोकप्रिय युवा हास्य कवि, व्यंग्यकार श्री दीपक गुप्ता ने अपनी हल्की-फुल्की रचनाओं से श्रोताओं को गुद-गुदाया, वहीं श्री कृष्णकांत 'मधुर' व श्री महेन्द्र अजनबी की चुटीली रचनाओं से सभागार कहकहों से गूंज उठा।

दिनांक 14 सितम्बर 12 को हिंदी दिवस तथा हिंदी सप्ताह समापन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। हिंदी दिवस एवं हिंदी सप्ताह समापन समारोह के मुख्य अतिथि, कुलपति, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपी पीएससी) के पूर्व अध्यक्ष व लब्ध प्रतिष्ठ रसायनज्ञ प्रो. कृष्ण बिहारी पाण्डेय थे। प्रो. पाण्डेय ने अपने व्याख्यान का आरंभ भारतेन्दु हरिशचंद्र की उक्ति 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति कर मूल' से किया। तत्पश्चात उन्होंने महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय से श्रोताओं का परिचय कराया और विश्वविद्यालय के कुल गीत की विस्तारपूर्वक व्याख्या की। प्रो. पाण्डेय ने अपने सुंदर प्रस्तुतीकरण से भारत के प्राचीन वैज्ञानिक ऋषि कपिल, कणाद, सुश्रुत, भास्कराचार्य, नागार्जुन, भारद्वाज, आर्यभट्ट, जगदीश चंद्र बोस, सी.वी.वेंकट रमण, रामानुजम आदि के व्यक्तित्व-कृतित्व से श्रोताओं को परिचित कराया। उन्होंने लार्ड मैकाले द्वारा 02 फरवरी 1835 को ब्रिटिश पार्लियामेंट में दिए गए भाषण के अंश भी प्रस्तुत किए।

उन्होने इस भ्रांति का भी निवारण किया कि आधुनिक विज्ञान के जनक पश्चिमी देश हैं। अपनी बात की प्रमाणिकता के लिए उन्होंने भारतीय वेदों एवं उपनिषदों, पुराणों, ऋषि परंपराओं से लिए गए ऐसे अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए जिनसे यह सिद्ध होता है कि भारतीय ऋषि-मुनि, भारत के वेद और उपनिषद आदि ही वास्तव में विज्ञान के विभिन्न महत्वपूर्ण सिद्धांतों के जनक हैं। यह भी कि भारत की प्राचीन ज्ञान-विज्ञान की परंपरा अत्यंत गौरवशाली रही है जिसे पुनःस्थापित किए जाने की अनिवार्यता है। उन्होंने अपने विद्वतापूर्ण, खोजपूर्ण प्रस्तुतीकरण से श्रोताओं को भारतीय गौरव से परिपूरित व उल्लसित करने का अत्यंत प्रंशसनीय प्रयास किया।

आपका उद्बोधन काफी रुचिकर और ज्ञानवर्धक रहा और इससे श्रोताओं को कई नई जानकारियां मिली तथा सभी ने इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त सचिव (प्रशा.) ने की, उन्होंने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए परिषद मुख्यालय में आने के लिए अपना अमूल्य समय निकालने और अपने ज्ञान और अनुभवों को परिषद के अधिकारियों/कर्मचारियों में बांटने के लिए प्रो. पाण्डेय के प्रति आभार प्रकट किया और उनके प्रस्तुतीकरण को पुस्तकाकार देने और इस कार्य में सीएसआईआर को जोड़ने का विचार व्यक्त किया। उन्होंने परिषद के महानिदेशक तथा अन्य सभी सहकर्मियों के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

सीएसआईआर-राष्ट्रीय वांतरिक्ष प्रयोगशालाएं, बेंगलूर में हिन्दी दिवस समारोह

सीएसआईआर-एनएएल में 1 अगस्त से 14 सितम्बर 2012 तक हर्षोल्लास के साथ हिन्दी माह मनाया गया। हिन्दी माह का शुभारंभ राजभाषा अभिमुखीकरण कार्यक्रम के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में प्रभाग/अनुभाग प्रधानों, हिन्दी तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बीईएमएल, बेंगलूर के पूर्व उपमहाप्रबंधक (राजभाषा) श्री अमजद अली खान ने प्रतिभागियों को राजभाषा नीति के बारे में अवगत कराया।

इसके अलावा, हिन्दी माह में अनेक कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, यथा (1) केंद्रीय विद्यालय, एनएएल कैंपस के छात्रों के लिए तीन प्रतियोगिताएं (पोस्टर लेखन, निबंध लेखन और कविता लेखन); (2) बेंगलूर स्थित केंद्रीय सरकारी कार्यालयों एवं सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए दो प्रतियोगिताएं (हिन्दी आशु कविता तथा तकनीकी लेख); (3) एनएएल कर्मचारियों में हिन्दी के प्रयोग में रुचि पैदा करने के उद्देश्य से चौदह प्रतियोगिताएं; (4) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति सदस्य कार्यालयों के राजभाषा अधिकारियों की बैठक; (5) ग्रंथालय में दो दिवसीय हिन्दी पुस्तक प्रदर्शनी; (6) हिन्दी तकनीकी सलाहकार समिति की दो बैठकें; (7) प्रभागीय राजभाषा प्रतिनिधियों की एक बैठक; (8) अनुभाग/प्रभाग में हिन्दी के प्रयोग का जायजा लेने तथा व्यावहारिक अभ्यास करवाने के उद्देश्य से चार टेबुल वर्कशॉप।

14 सितम्बर 2012 को आयोजित हिन्दी दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. इसपाक अली ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिन्दी सबको जोड़ने की भाषा है। डॉ. इसपाक अली, प्राचार्य, लाल बहादुर शास्त्री शिक्षा महाविद्यालय, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, बेंगलूर ने आगे कहा कि हमारी मानसिकता में बदलाव आना चाहिए क्योंकि आदत से मजबूर होकर हम अंग्रेजी में लिखना सरल और हिन्दी में कठिन समझते हैं। यदि हम संकल्प लें और अभ्यास करते रहें तो अनायास इस सच्चाई का आभास हो जाता है।

डॉ. प्र श्री मूर्ति, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी ने हिन्दी माह में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की संक्षिप्त रिपोर्ट पेश की। समारोह की अध्यक्षता करते हुए सीएसआईआर-एनएएल के सलाहकार (प्र-प्रशा) श्री एम के श्रीधर ने प्रसन्नता व्यक्त की कि एनएएल में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग की दिशा में रचनात्मक प्रयास किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर राजभाषा हिन्दी के उल्लेखनीय प्रयोग हेतु एसईडी को उत्तम प्रभाग शील्ड तथा सुरक्षा (को.) को उत्तम अनुभाग शील्ड पुरस्कार दिया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं, वर्ष 2011-12 में हिन्दी के उल्लेखनीय प्रयोग करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों, अंश-2012 संगोष्ठी में हिन्दी में तकनीकी लेख प्रस्तुत करने वाले सीएसआईआर-एनएएल के वैज्ञानिकों एवं तकनीकी अधिकारियों को इस अवसर पर मुख्य अतिथि के कर कमलों से पुरस्कार वितरण किया गया।

इस वर्ष डॉ. इम्तियाज अहमद परवेज (वरिष्ठ वैज्ञानिक-सीएसआईआर-सीमैक्स) ने **भारतीय उपमहाद्वीप में भूकंप क्षेत्र वर्गीकरण एवं आपदा मूल्यांकन** पर हिन्दी दिवस विशेष तकनीकी अभिभाषण प्रस्तुत किया।

हिन्दी अधिकारी श्रीमती जयश्री पी जी ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया। नोदन प्रभाग के प्रभागीय राजभाषा प्रतिनिधि एवं वैज्ञानिक श्री सदानंद कुलकर्णी ने हिन्दी दिवस कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

कम्यूनिटी ऑफ प्रैक्टिस विद इन नेचुरल वाटर सिस्टम्स और ट्रीटमेंट टेक्नोलॉजिस (NaWa Tech) पर कार्यशाला

सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-नीरी) और इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 3 सितम्बर 2012 को इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन के नागपुर कार्यालय में **कम्यूनिटी ऑफ प्रैक्टिस विद इन नेचुरल वाटर सिस्टम्स और ट्रीटमेंट टेक्नोलॉजिस (NaWa Tech)** पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। 'NaWa Tech' परियोजना भारत के शहरी क्षेत्रों में पानी की कमी से निपटने के लिए क्रियान्वित की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य यह है कि महाराष्ट्र में चिह्नित स्थानों पर मूल्य प्रभावी, कम रख-रखाव वाली और कम ऊर्जा लगने वाली ऐसी प्राकृतिक उपचार प्रणालियां लगायी जाएं जो प्रदूषित जल का उपचार, पुनर्चक्रण और पुनःउपयोग करने में सक्षम हों । डॉ. पवन कुमार लाभसेटवार, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, जल प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन प्रभाग, सीएसआईआर-नीरी ने कार्यशाला के दौरान कहा कि यह परियोजना महाराष्ट्र में आनेवाली टाऊनशिप के डिजाइन तैयार करते समय उपयुक्त प्रौद्योगिकियों की पुनरावृत्ति को सुनिश्चित करेगी । इंजी. एस.पी. आन्दे, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-नीरी ने इस परियोजना के उद्देश्य और परियोजनाओं संबंधी जानकारी दी ।

सीएसआईआर-आईआईसीटी में हिंदी दिवस समारोह

समारोह के अवसर पर मंच पर आसीन विभूतियां

सीएसआईआर-आईआईसीटी, हैदराबाद में 14 सितम्बर 2012 को हिंदी दिवस समारोह आयोजित किया गया। हिंदी दिवस का औपचारिक उद्घाटन हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद के डॉ. रंजन, अध्यक्ष, हिंदी विभाग के हिंदी दिवस संदेश व अभिभाषण से हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. रवि रंजन ने हिंदी की भावभूमि एवं विचार भूमि पर अभिभाषण देते हुए कहा कि हिंदी व अपनी मातृभाषा में कठिन शब्द अलग से शब्द नहीं होते। जैसे अंग्रेजी के तकनीकी शब्दों को रटकर हम प्रयोग कर उन्हें आसान कर देते हैं उसी तरह हिंदी में भी तकनीकी शब्दों का प्रयोग बार-बार करेंगे तो वह भाषा भी हमें आसान लगने लगेगी।

हिंदी माह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं: हिंदी आशुलिपि प्रतियोगिता, हिन्दी पठन प्रतियोगिता, आशुलिपिकों के लिए हिंदी कार्यशाला, स्मृति प्रतियोगिता प्रशासन के कर्मचारियों के लिए तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता सभी वर्ग के कर्मचारियों के लिए, हिंदी अन्ताक्षरी तथा राजभाषा नीति विषय पर प्रतियोगिता। संस्थान में हिंदी में दैनिक कार्य करने वाले कर्मचारियों को नियम के अनुसार हर वर्ष नकद पुरस्कार दिए जाते हैं। इस वर्ष के लिए संबंधित मूल्यांकन समिति द्वारा निर्धारित 7 कर्मचारियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गये।

21 सितम्बर 2012 को हिंदी दिवस समापन समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. जावेद इक़बाल, निदेशक, जीव-विज्ञान संस्थान, हैदराबाद इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। संस्थान के कार्यकारी निदेशक, डॉ. अहमद कमाल ने समारोह की अध्यक्षता की और संस्थान की कार्यान्वयन रिपोर्ट प्रस्तुत की। अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने कहा कि संस्थान में हिंदी के प्रति सौहार्दपूर्ण वातावरण बना हुआ है। सभी कर्मचारियों ने हिंदी को दिल से अपनाया है। राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन और उसके प्रचार-प्रसार के लिए संस्थान प्रतिबद्ध है। समारोह के मुख्य अतिथि ने हिंदी दिवस संदेश के साथ-साथ **मधुमेह एक घातक रोग व निदान** विषय पर अपना अभिभाषण दिया। हिंदी माह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कार प्रदान किए।

समारोह के अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन के साथ समारोह संपन्न हुआ।

श्री एस. जयपाल रेड्डी, नए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री तथा उपाध्यक्ष सीएसआईआर ने कार्यभार संभाला

श्री सुदिनि जयपाल रेड्डी ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नए केबिनेट मंत्री और सीएसआईआर के उपाध्यक्ष (पदेन) का कार्यभार संभाला।

उस्मानिया विश्वविद्यालय छात्र संघ के एक सक्रिय छात्र नेता और दो बार अध्यक्ष रह चुके, श्री रेड्डी 1965-71 के दौरान आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव थे। लोकसभा में संसद का सदस्य चुने जाने तक 1969 और 1984 के बीच, वे चारों सत्रों के लिए आंध्र प्रदेश की कल्वाकुर्थी चुनाव क्षेत्र के प्रतिनिधि के रूप में विधानसभा के सदस्य रहे।

वर्ष 1997-1998 के दौरान अपने सूचना एवं प्रसारण मंत्री के कार्यकाल के दौरान, उन्होंने दूरदर्शन और आकाशवाणी को स्वायत्तता प्रदान करने के लिए प्रसार भारती बिल लागू किया। वे वर्ष 2004-2005 के दौरान सूचना एवं प्रसारण तथा संस्कृति मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री रहे। श्री रेड्डी ने भारत में नये एफएम रेडियो चैनल को शुरू करने और विस्तार करने में अहम् भूमिका निभाई।

श्री रेड्डी शहरी विकास के यूनियन केबिनेट मंत्री और हाल ही में पैट्रोलियम के यूनियन केबिनेट मंत्री रहे। संसद में अपनी चर्चाओं की गुणवत्ता के लिए विख्यात, श्री रेड्डी को 1998 में उत्कृष्ट संसद सदस्य (आउटस्टैंडिंग पार्लियामेंटेरियन) का पुरस्कार दिया गया।

भारत-जापान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

सम्मेलन सार-संग्रह का विमोचन

सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-नीरी) द्वारा इंडियन जेएसपीएस एल्यूम्नी एसोसिएशन, टोक्यो यूनिवर्सिटी के सहयोग से 6.-7 अगस्त 2012 के दौरान होटल रेडिसन ब्ल्यू, नागपुर में **न्यू एज साइंस एंड टेक्नालॉजी फॉर सस्टेनेबल डवलपमेंट** पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। भारत-जापान के बीच पूर्ण हुये 60 वर्षों के वैज्ञानिक संबंधों को चिह्नित करने के लिए यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसे जापान सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ साइंस ने प्रायोजित किया था। अपने उद्‌घाटन भाषण में डॉ. सतीश आर. वटे, निदेशक, सीएसआईआर-नीरी ने कहा कि यह सम्मेलन निरंतर और सतत विकास के लिए आवश्यक कटिंग एज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकियों पर प्रकाश डालने में सफल रहेगा। डॉ. राजेश बिनीवाले, प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-नीरी ने इस सम्मेलन का समन्वयन किया।

डॉ. तपन चक्रबर्ती को जीवन साधना पुरस्कार

डॉ. तपन चक्रबर्ती, एमेरिटस वैज्ञानिक, सीएसआईआर-नीरी को राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज जीवन साधना पुरस्कार प्रदान किया गया।

पुरस्कार/सम्मान

सीएसआईआर-नीरी को ब्रांज आइकॉन अवार्ड

इलेक्ट्रॉनिक कार्य पद्धति को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट कार्य के लिए सीएसआईआर-नीरी को ''ब्रांज आइकॉन अवार्ड'' दिया गया। यह अवार्ड सीएसआईआर, नई दिल्ली में 70वें सीएसआईआर स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री एवं उपाध्यक्ष, सीएसआईआर श्री वयलार रवि द्वारा प्रदान किया गया।

सीएसआईआर-नीरी के अधिकारी माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री एवं उपाध्यक्ष सीएसआईआर से अवार्ड लेते हुए

डॉ. आर.ए. पाण्डेय को हियोशी एनवायरनमेंटल अवार्ड

डॉ. आर.ए. पाण्डेय, मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पर्यावरणीय जैवप्रौद्योगिकी प्रभाग, सीएसआईआर-नीरी को पर्यावरण संरक्षण के लिए मूलभूत अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान के लिए हियोशी एनवायर्नमेंटल अवार्ड प्रदान किया गया । पर्यावरणीय जैवप्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास में उनका उत्कृष्ट योगदान रहा है।

श्री श्याम चेट्टी ने सुपर अचीवर विजिनरी अवार्ड प्राप्त किया

श्री श्याम चेट्टी, कार्यकारी निदेशक, सीएसआईआर-एनएएल ने विजन फाउंडेशन, अहमदाबाद से 27 अगस्त 2012 को विजिनरी अवार्ड प्राप्त किया।

Ex Justice Shri B J Shethna is honouring Mr ShyamChetty with Visionary Award

Smt Ushaben Shah is honouring Mr ShyamChetty with Gandhi Charkha

पुरस्कार प्राप्त करते हुए श्री श्याम चेट्टी ने कहा कि राष्ट्रीय वांतरिक्ष प्रयोगशालाएं, बेंगलुरु सीएसआईआर की संघटक प्रयोगशाला, ने एयरोनोटिकल तथा स्पेस इंजीनियरिंग सेक्टर में आधुनिक प्रौद्योगिकियां विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एनएएल ने वायुसेना के लिए भारत के प्रथम सुपरसोनिक हल्के लड़ाकू विमान के अभिकल्पन तथा विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पिछले कई वर्षों में भारत के नागरिक विमानन में अच्छे विकास का सन्दर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में देश को चार से लेकर सौ सीट तक की क्षमता वाले विमानों की बड़ी संख्या में आवश्यकता होगी।

गुजरात के आटोमोबाइल सेक्टर में तीव्र विकास का उदाहरण देते हुए उन्होंने आशा जताई कि यह राज्य भी भारत की नागरिक विमानन की बढ़ती आवश्यकताओं की पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

डॉ. एस डब्ल्यु ए नकवी ने सीएसआईआर-एनआईओ के कार्यकारी निदेशक का पदभार ग्रहण किया

डॉ. एस डब्ल्यु ए नकवी, प्रयोगशाला के वरिष्ठतम वैज्ञानिक ने कार्यकारी निदेशक का पदभार संभाल लिया है। डॉ. नकवी इस संस्थान में वर्ष 1974 से कार्यरत हैं तथा गुणवत्ता प्रकाशन के रूप में अपने अनुसंधान के क्षेत्र में उन्होंने उच्चतम योगदान दिया है।

डॉ. एस आर शेट्ये ने स्वैच्छिक सेवानिवृति ली

डॉ. एस आर शेट्ये, सीएसआईआर-एनआईओ के निदेशक ने 15 सितम्बर 2012 को स्वैच्छिक सेवानिवृति लेकर गोवा विश्वविद्यालय के कुलपति का पद ग्रहण कर लिया है। डॉ. शेट्ये ने सीएसआईआर-एनआईओ में वर्ष 2004 से निदेशक पद पर कार्य किया।

निस्केयर
NISCAIR

राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान (निस्केयर), डॉ. के.एस. कृष्णन मार्ग,
नई दिल्ली-110012 के लिए दीक्षा बिष्ट द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित, निस्केयर प्रेस द्वारा मुद्रित।
संपादकः दीक्षा बिष्ट; सह संपादकः डॉ. विनीता सिंघल; अनुवादः मीनाक्षी गौड़;
प्रोडक्शनः सुप्रिया गुप्ता, डिजाइन एवं ले आऊटः सरला दत्ता; कम्पोजिंगः कृष्णा
फोनः 25848702, 25846301, 25846303, 25842990, 25846304-7/361 ग्रामः PUBLIFORM. New Delhi; फैक्सः 25847062
ई-मेलः deeksha@niscair.res.in वेबसाइटः http://www.niscair.res.in पत्रिका प्राप्त न होने की स्थिति में फोन नं. 25841647 पर सम्पर्क करें